उत्पादन की दर में गेहूं के उत्पादन की दर से कम वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो 1980 के दशक के लिए दोनों खाद्यान्नों की उत्पादन दरों में वृद्धि संबंधी तुलनात्मक आंकड़े क्या है;

(ग) 1990 के दशक के आरम्भ में कुल कितनी कृषि भूमि पर धान की खेती की जाती थी तथा इसमें से कितने प्रतिशत भूमि सिंचित, वर्षा पर आधारित और असिंचित थी और दोनों खाद्यान्नों की प्रति हेक्टेयर औसत उत्पादन दरें क्या-क्या थीं ;

(घ) क्या यह भी सच है कि यह अनुमान है कि इस शताब्दी के अन्त तक देश को 105 मिलियन टन चावल की आवश्यकता होगी; और

(ङ) यदि-हां, तो उपर्युक्त आवश्यकता को पूरा करने के लिए आगामी वर्षों में उत्पादन की दर में वृद्धि करने हेतु क्या वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) जी, नहीं ।

(ख) 1980-81 तथा 1990-91 तक की अवधि के दौरान चावल और गेहूं के उत्पादन में संयुक्त वृद्धि दर क्रमशः 3.81 तथा 3.62 प्रतिशत प्रतिवर्ष देखने में आई है ।

(ग) भू-उपयोग आंकड़े 1989-90 (नवीनतम उपलब्ध) के अनुसार चावल के अंतर्गत कुल सिंचित क्षेत्र देश भर में चावल के अंतर्गत 42.14 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्र का 45.2 प्रतिशत था ।

चावल सहित विभिन्न फसलों की पैदावार के आंकड़े, सिंचित और असिंचित दोनों वर्गों के लिए सभी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों द्वारा अभी संकलित नहीं किए जा रहे हैं । वैसे, 1990-91 के लिए सिंचित और असिंचित क्षेत्रों में चावल की पैदावार के कुछ मुख्य उत्पादक राज्यों से प्राप्त, नवीनतम उपलब्धि, अनुमान इस प्रकार हैं :

पैदावार के अनुमान

(किलोग्राम प्रति हेक्टेयर)

राज्य	सिंचित	असिंचित
असम	2274	965
बिहार	1225	897
कर्नाटक	2464	1604
मध्य प्रदेश	1643	1065
पंजाब	3240	2025
तमिल नाडु	3718	1216

(घ) और (ङ) आठवीं पंच वर्षीय योजना के अंतिम वर्ष 1996-97 के लिये चावल उत्पादन का 88.00 मिलियन मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है । चावल की आवश्यकता पूरी करने के लिए आठवीं पंच वर्षीय योजना के दौरान 3.95 प्रतिशत की उत्पादन वृद्धि दर लक्षित है ।

National Institute of Disaster Management for Hyderabad

2286. DR. NARREDDY THULASI REDDY:
DR. YEAMANCUILl SIVAJI .

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether there is any proposal from Andhra Pradesh to locate National Institute of Disaster Management at Hyderabad:

(b) if so, what arc the details in this regard: and

(c) at what stage of consideration is the same?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) to (c) In view of the expertise available in the State in dealing with various natural calamities and the fact that Hyderabad has become an important centre for training and research, the Government of Andhra Pradesh have offered suitable land to locate the National Institute of Disaster Management at Hyderabad. The proposal is under consideration.

Agricultural Development Projects

2287. SHRIMATI SATYA BAHIN:
DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what are the projects being undertaken under the World Bank financing Agricultural Development Projects in the near future;

(b) whether any project from Maharashtra is being taken up;

(c) if so, what is the nature and extent of this project; and

(d) if not, what are the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL